522

M.K.N.

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–22)

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*

GSM (M-I)-2422

अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

Name: IQABAL AHMAD

Medium (English/Hindi): Hindi

Center & Date: 06 Sept. 2024

Mobile Number: ________

Reg. Number: ________

UPSC Roll No. ***(If allotted)*:** 6421410

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

There are TWENTY questions printed both in HINDI and ENGLISH.

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

drishti | दृष्टि The Vision

1. न्यायिक स्वतंत्रता की संवैधानिक प्रत्याभूति लोकतंत्र के अस्तित्व का मूल है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10
The constitutional guarantee of judicial independence is fundamental to the existence of a democracy. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय संविधान में लोकतांत्रिक मूल भावना के साथ ही समता, संप्रभुता, अखण्डता, स्वतंत्रता बंधुता आदि जैसे मूलभूत तत्वों का समावेशन पाया जाता है। न्यायिक स्वतंत्रता की प्रवृत्ति लोकतंत्र के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में इसलिए मूलभूत है कि बिना न्याय को लागू किये इसका कोई महत्व नहीं होगा।

न्यायिक स्वतंत्रता के संवैधानिक मूल्य :-

⇒ प्रस्तावना: प्रस्तावना न्यायिक स्वतंत्रा के माध्यम से संविधान के लोकतांत्रिक अवधारणा को फलीभूत करती है।

⇒ मूल अधिकार: भारतीय संविधान में दिये गये मूल अधिकार (भाग -3) में 12 से 35 तक राज्य की सत्ता पर अंकुश लगाते हुए व्यक्तियों को

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

समानता, अभिव्यक्ति की आजादी, धार्मिक आजादी जैसी स्थिति प्रदान करते हैं।

⇒ किसी भी नागरिक के अधिकारों का अतिक्रमण होने पर भारतीय संविधान के भाग-3 के अनुच्छेद - 32 एवं अनुच्छेद 226 के तहत कोई भी व्यक्ति सुप्रीम कोर्ट या उच्च न्यायालय में रिट के माध्यम से अपने अधिकारों को हनन हेतु शिकायत करके लाभ पा सकता है।

DPSP. राज्य के नीति-निदेशक तत्व राज्यों को न्याय प्रदान करने हेतु विभिन्न नियामकीय उपाय यथा SALSA एवं DALSA के माध्यम से न्यायिक लोकतंत्र को बढ़ावा देने में सहायता करते हैं।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि न्यायिक स्वतंत्रता की अवधारणा राज्य के दबावकारी कानूनों से प्रतिरक्षा करके लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने में योगदान देती है।

drishti | दृष्टि The Vision

2. राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) भारत में हाशिये पर स्थित समुदायों को निशुल्क विधिक सहायता सेवाओं का प्रभावी अंतरण सुनिश्चित करता है। संपुष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

The National Legal Services Authority (NALSA) ensures the effective delivery of free legal aid services to marginalized communities in India. Substantiate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण भारत में वंचित एवं हाशिये के लोगों के अधिकारों के हनन होने पर निःशुल्क कानूनी सहायता के माध्यम से उनके अधिकारों का हनन रोककर उन्हें न्याय दिलाने में मदद करके भारतीय लोकतांत्रिक न्याय व्यवस्था में विश्वास पैदा करने हेतु योग देता है।

हाशिये के समुदायों को न्याय

⇒ राष्ट्रीय स्तर पर NALSA (राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण) का गठन किया गया है।

⇒ राज्य स्तर पर SALSA का गठन

⇒ जनपद स्तर पर DALSA का गठन

त्रिस्तरीय संरचना होने के कारण जनता को आसानी से न्याय प्रदान करने हेतु विधिक वार्तालाप एवं माहौल प्राप्त होता है

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

NALSA बुजुर्गों, महिलाओं, दिव्यांगों, समलैंगिकों पीड़ितों हेतु नि: शुल्क न्याय प्रदान करने हेतु प्रमुख अभिकरण है।

हालांकि NALSA में वर्तमान समय में कुछ नीतिगत एवं कार्यात्मक बाधा भी देखी जा रही है—

⇒ अधिवक्ताओं में अनिच्छा

⇒ धन आवंटन की अपर्याप्त समस्या

⇒ जागरूकता अभाव

⇒ भ्रष्टाचार की स्थिति

दूर करने के उपाय:

⇒ जागरूकता प्रदान की जानी चाहिए

⇒ अधिवक्ताओं को बेहतर पारिश्रमिक

⇒ महिला अधिवक्ताओं को शामिल किया जाय

⇒ ई - कोर्ट, मोबाइल कोर्ट आदि को प्रोत्साहन

कहा जा सकता है कि NALSA द्वारा हाशिये के समुदायों को न्याय प्रदान करने में बेहतर योग दिया गया है, परन्तु कमियों को दूर किये जाने की आवश्यकता है।

drishti | दृष्टि The Vision

3. भारत में राज्य पंचायती राज संस्थाओं (PRI) को पर्याप्त कार्यात्मक और वित्तीय सशक्तीकरण प्रदान करने में असहयोगशील प्रतीत होते हैं। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

States in India appear unwilling to grant Panchayati Raj Institutions (PRIs) adequate functional and financial empowerment. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत में 1992 में 73वें संविधान संशोधन के माध्यम से प्रत्येक राज्य में पंचायती राज संस्थाओं के निर्माण हेतु नीतियों का कार्यान्वयन किया गया तथा पंचायती राज संस्थाओं (PRI) को संवैधानिक दर्जा दिया गया। परन्तु वर्तमान समय में राज्य PRI हेतु पर्याप्त सहयोग नहीं कर रहे हैं। कुछ प्रमुख मुद्दे निम्नलिखित हैं—

⇒ बजटीय आवंटन की समस्या।

⇒ राज्यों की केंद्र पर अधिक निर्भरता

⇒ पार्टी विशेष की शासन प्रणाली

⇒ राज्यों की कर प्रणाली में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न स्थिति

⇒ पंचायती राज संस्थाओं की सीमित भागीदारी

⇒ भ्रष्टाचार की व्यापक स्थिति।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ धार्मिक तथा सामाजिक असमानता

⇒ क्षेत्रीयता दृष्टिकोण।

⇒ 15वें वित्त आयोग की स्थिति

⇒ महिला आरक्षण एवं लैंगिक असमानता

⇒ राज्यों की मनमानी

⇒ मनरेगा योजना, BPL, खाद्यान्न योजना में

राज्यों का कम बजटीय आवंटन

इसको दूर करने के उपाय:

⇒ PRI को सशक्त बनाना

⇒ बेहतर अनुकूलन हेतु पर निर्भर

⇒ बजटीय आवंटन बढ़ाना

⇒ लेखा परीक्षा करवाना

इस प्रकार कहा जा सकता है कि PRI को और बेहतर लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण हेतु राज्यों को अधिक ध्यान देकर

करण की स्थिति को मजबूत किया जाना चाहिए।

drishti | दृष्टि The Vision

4. संसदीय संप्रभुता के प्रति ब्रिटिश तथा भारतीय दृष्टिकोण में समानताएँ और विभिन्नताएँ दोनों ही देखने को मिलती हैं। परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

The British and Indian approaches to parliamentary sovereignty exhibit both similarities and differences. Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

एक औपनिवेशी शासन वाले देश के रूप में ब्रिटेन ने भारत पर लगभग दो शताब्दियों तक शासन किया, जिसके कारण भारत एवं ब्रिटेन की नीतियों में कुछ समानताओं के साथ भिन्नताएं भी देखने को मिलती हैं:—

समानता	भिन्नता
⇒ भारत सरकार अधिनियम 1935 का प्रभाव काफी हद तक भारतीय संविधान पर पड़ा है।	⇒ संप्रभु संविधान के रूप में लिखित दस्तावेज।
⇒ महामारी अधिनियम 1897 का प्रभाव	⇒ स्वतंत्रता, न्याय, संप्रभुता जैसे मुद्दे भिन्न रूपों में।
⇒ आफिशियल सीक्रेट एक्ट 1923 का प्रभाव	⇒ DPSP जैसे अधिकार
	⇒ मूल कर्तव्यों की आवश्यकता

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ IPC, 1860 का प्रभाव	⇒ विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया का समावेश
⇒ शिक्षा नीति प्रभाव	⇒ भारतीय न्याय संहिता आदि से अंग्रेजी कानूनों का प्रतिस्थापन।
⇒ विवाह कानूनों प्रभाव ईसाई विवाह, 1872 विधवा पुनर्विवाह 1856 सती प्रथा ~~निषेध~~ निषेध 1829 मुस्लिम शरीयत एक्ट 1837 मुस्लिम विवाह-विच्छेद 1839 आदि।	⇒ हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 ⇒ UCC लागू करने हेतु सुझाव ⇒ संविधान की सर्वोच्चता ⇒ जनता का शासन

संसदीय संप्रभुता में भले ही ब्रिटिश कानूनों का कुछ लक्षण समानता के रूप में दिखाई देता है, परन्तु मूलतः यह भारतीय सांस्कृतिक विलक्षणता हेतु प्रबलता के रूप में शामिल होती है।

5. राज्य विधानमंडल के पीठासीन अधिकारी विधायी कार्य में शिष्टाचार और अपक्षपात के सातत्य के साथ-साथ सुदृढ़ लोकतांत्रिक प्रथाओं को सुविधाजनक बनाने के लिये ज़िम्मेदार होते हैं। स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

State legislature presiding officers are responsible for upholding decorum and impartiality in legislative work, as well as facilitating sound democratic practices. Explain. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय संविधान के अनुरूप प्रत्येक विधान सभा एवं द्विसदनीय सदन की स्थिति में विधान परिषद में एक अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष की कार्य प्रणाली की अनुशंसा करता है जिसमें पीठासीन अधिकारी के रूप में विधायी कार्यों को करने हेतु लोकतांत्रिक परंपरा के संरक्षण की सुदृढ़ता सन्निहित होती है।

पीठासीन अधिकारी के कार्य:

⇒ सदन की बैठक की अध्यक्षता करना

⇒ कोई विधेयक धन विधेयक है कि नहीं, देखना

⇒ सभी सदस्यों के अधिकारों की रक्षा करना

⇒ आवश्यकतानुरूप वोटिंग करना

⇒ सदस्यों की निर्योग्यताओं की परीक्षा करना

⇒ सदन की कार्यवाही का सुचारु संचालन

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ तटस्थता की परिपाटी का पालन करना।

चुनौतियां :

राज्य विधानसभा पीठासीन अधिकारी के समक्ष विभिन्न राज्यों में चुनौतियां भी विद्यमान हैं—

⇒ महाराष्ट्र विधान सभा में अध्यक्ष के चुनाव हेतु चुनौती

⇒ कर्नाटक विधानसभा में कुछ सदस्यों को निर्योग्य करार दिया जाना

⇒ अध्यक्षों पर पार्टी हित के लिए कार्य करने का आरोप

⇒ दल-बदल संबंधी अध्यक्षों की सत्ता के प्रति समाधानकारक स्थिति

राज्य विधानसभाओं के अध्यक्ष लोक सभा अध्यक्ष की तरह ही राज्यों के हितों को राजनीतिक परम्परा में समाहित करते हैं इसमें पारदर्शिता एवं समान भूमिका सामंजस्य होना अनिवार्य लक्षण है।

6. भारत के विकास में एक बड़ी चुनौती मानव संसाधन विकास पर अपर्याप्त ध्यान देना है। इस अपर्याप्तता को दूर करने संबंधी उपायों के सुझाव प्रदान कीजिये। (150 शब्द) 10

A major challenge in India's development is the insufficient focus on human resource development. Suggest measures to address this inadequacy. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत एक बहु-भाषी, विविधता पूर्ण देश है जहां पर अधिक जनसंख्या होने के साथ ही जनांकिकीय लाभांश की स्थिति भी दिखाई देती है।

मानव संसाधन :

भारत की जनता के एक बड़े वर्ग को जहां मूलभूत सुविधाओं का अभाव नजर आता है वहीं कुछ वर्गों को बेहतर अवसंरचना प्राप्त होती है जिसमें निम्नलिखित चुनौतीपूर्ण कारक हैं—

⇒ शिक्षा में GDP के हिसाब से न्यून निवेश

⇒ सांस्कृतिक समन्वय बाधाएं

⇒ लैंगिक समस्या: कुपोषण, रक्त अल्पता, IMR, MMR आदि की स्थिति।

⇒ रूढ़िवादिता

⇒ पितृसत्ता

drishti | दृष्टि The Vision

⇒ कौशल प्रशिक्षण अभाव

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अपर्याप्तता दूर करने हेतु सुझाव:

⇒ शिक्षा पर जी० डी० पी० का कम से कम 6% खर्च किया जाना चाहिए।

⇒ गरीबी समाप्ति हेतु सरकारी नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन

⇒ लैंगिक समता पर ध्यान दिया जाना चाहिए

⇒ कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना

⇒ महिलाओं की स्थिति में सुधार

⇒ जेंडर बजटिंग को लागू करना

⇒ बेहतर अवसंरचना बुनियादी ढांचा प्रदान करना

⇒ स्वच्छता तथा सैनिटेशन प्रदान करना

मानव संसाधन किसी भी देश का मूल होता है, इसको बेहतर अवसंरचना प्राप्त होने पर देश वृहद रूप से तीव्र तरक्की की क्षमता हासिल करता है।

7. भारतीय प्रतिस्पर्द्धा आयोग भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा प्रमुख बाज़ार स्थिति के दुरुपयोग को रोकने में महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करता है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The Competition Commission of India plays a crucial role in preventing the misuse of dominant market positions by multinational companies in India. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय प्रतिस्पर्द्धा आयोग भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा प्रमुख बाजार स्थिति के दुरुपयोग को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारतीय प्रतिस्पर्द्धा आयोग अधिनियम, 2002 के माध्यम से इसे यह अधिकार हासिल है जो कि 2009 से लागू किया गया था।

इसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं:—

- → स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा को बढ़ावा देना
- → एकाधिकार को रोकना
- → अधिग्रहण एवं विलय का विनियमन
- → उपभोक्ता हितों की सुरक्षा करना
- → उचित व्यापारिक प्रथाओं को बढ़ावा देना
- → ज्ञान प्रदान करना

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दुरुपयोग रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका:

- → अनुचित व्यापारिक प्रथाओं की रोकथाम
- → अधिग्रहण और विलय का आकलन
- → एकाधिकार और निगरानी
- → प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने हेतु सलाह
- → विदेशी निवेश की कार्यवाही
- → जांच एवं कार्यवाही

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग भारत में प्रतिस्पर्धा की रक्षा तथा प्रोत्साहन के लिए एक महत्वपूर्ण संस्थान है यह अवैध एकाधिकार एवं अनुचित व्यापार प्रथाओं को हतोत्साहित करने में योगदान करता है।

drishti | दृष्टि The Vision

8. सरकारी कार्यों में ई-गवर्नेंस के उपयोग से दक्षता, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व में सुधार हुआ है। इन विशेषताओं की अभिवृद्धि में बाधा डालने वाली कमियों पर प्रकाश डालिये। (150 शब्द) 10

E-governance has brought about greater effectiveness, transparency, and accountability in government functions. Highlight the shortcomings that hinder the improvement of these features. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

तकनीक के बेहतर प्रयोग एवं जनहित के लिए सरकारि कार्यों की कार्यप्रणाली के रूप में ई-गवर्नेंस के उपयोग से कार्यों को कुशलतापूर्वक, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ समय पर करने की एक प्रक्रिया के रूप में संबोधित किया जा सकता है।

ई-गवर्नेंस के लाभ:

⇒ विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ हेतु एकल खिड़की व्यवस्था
⇒ भ्रष्टाचार में कमी
⇒ बाधा-रहित प्राप्तीकरण
⇒ शिकायतों का उचित निपटान
⇒ पारदर्शिता
⇒ उत्तरदायित्व का दृष्टिकोण
⇒ लालफीताशाही की समाप्ति और पारदर्शिता

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ई-गवर्नेंस बाधा :

⇒ कुछ हद तक प्रमाणीकरण हेतु बाधाएं
जैसे आधार प्रमाणन हेतु जाना

⇒ घोस्ट बेनीफीशरी (Ghost Beneficiary)
जैसे राशन कार्ड या खाद्यान्न वितरण में ऐसे लोगों का नाम जो कि अप्राप्त या अनाम हैं।

⇒ अधिकारियों को गंभीरता से न लेना
जैसे शिकायत करने पर अधिकारी लिखित में जवाब देकर संतुष्ट करने की कोशिश करते हैं।

⇒ तकनीकी बाधाएं, इंटरनेट जागरूकता आदि

आगे की राह

⇒ बेहतर अवसंरचना ढांचा
⇒ अधिकारी को प्रशिक्षण देना
⇒ फीडबैक
⇒ इंटरनेट जागरूकता

ई-गवर्नेंस को बेहतर करने के लिए नैतिकता एवं जागरूकता अतिप्रासंगिक महत्वपूर्ण बिंदु साबित हो सकते हैं।

drishti | दृष्टि The Vision

9. SCO को प्रायः चीन-रूस सहभागिता हेतु एक मंच के रूप में देखा जाता है। संगठन के भीतर भारत के सामरिक हितों के लिये इस साझेदारी के निहितार्थों पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The SCO is often seen as a platform for Sino-Russian collaboration. Discuss the implications of this partnership for India's strategic interests within the organization. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

SCO (शंघाई सहयोग संगठन) की स्थापना रूस-चीन सहित छः देशों द्वारा की गई थी, 2018 में भारत एवं पाकिस्तान को शामिल करने के बाद इसकी संख्या आठ हो गई है।

संस्थापक सदस्य होने के कारण रूस और चीन सहभागिता प्रमुख रूप से SCO की गतिविधियों को प्रभावित करती रही है यह गतिविधियां इसे एक मंच के रूप में निम्नलिखित स्थिति प्रदान करती हैं —

→ क्षेत्रीय स्थिति के रूप में चीन एवं रूस के अलग-अलग हित हैं, ~~एक~~ चीन जहां BRI के माध्यम से आर्थिक एवं राजनीतिक लाभ प्रदान करना चाहता है वहीं रूस अपने रणनीतिक लाभों हेतु प्रमुख दावा प्रस्तुत करता है।

drishti | दृष्टि The Vision

चीन जहां आर्थिक वर्चस्व हेतु SCO को सबसे अधिक मुखर रणनीतिक मंच मानता है वहीं रूस मध्य (Middle) एशियाई देशों के साथ रणनीतिक दृष्टिकोण अपना कर अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहता है।

भारत के सामरिक हित:

भारत SCO के माध्यम से अपने निम्नलिखित हितों पर ध्यान देने की कोशिश करता है—

⇒ सामरिक साझेदारी

⇒ हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिति

⇒ आर्थिक हितलाभ

⇒ मध्य एशिया से संबंध

⇒ रणनीतिक साझेदारी

⇒ सांस्कृतिक एवं शैक्षिक सुदृढ़ता में अभिवृद्धि।

भारत SCO के संतुलन की वकालत करता है तथा SCO सदस्यों की संप्रभुता का सम्मान करते हुए विश्व गुरु से विश्व बंधु बनने की इच्छा रखता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

10. भारतीय प्रवासी संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय देशों के राजनीतिक तथा आर्थिक परिदृश्य को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

The Indian diaspora significantly influences the political and economic landscapes of the United States and European countries. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सबसे अधिक जनसंख्या में से एक देश होने के कारण भारतीय नागरिक विदेशों में भी भारतीय संस्कृति, आर्थिक स्थिरता, देशों के संबंधों की गतिशीलता आदि में योग देते हैं। भारतीय प्रवासी संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) और यूरोपीय देशों के राजनीतिक यथार्थ के साथ ही आर्थिक परिदृश्य को भी महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं।

भारतीय प्रवासी एवं संयुक्त राज्य अमेरिका :-

⇒ अमेरिका के सेवा क्षेत्रक में भारतीय प्रवासियों का वृहद योगदान है।
हालांकि अमेरिकी वीजा नीतियां जैसे H, H1 वीजा आदि नकारात्मक प्रभाव डालते हैं।

⇒ अमेरिका की राजनीति में भारतीय प्रवासियों की वृहद वैसाने पर हिस्सेदारी है जिसमें वहां की राजनीतिक सत्ता के हालिया वर्तमान के रूप में USA की उपराष्ट्रपति के पद को देखा जा सकता है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अमेरिका तथा यूरोप के राजनीतिक एवं आर्थिक रूप में भारतीय प्रवासी।

⇒ ब्रिटेन : भारत का औपनिवेशिक राज्य होने के नाते ब्रिटेन में भारतीय प्रवासियों की अधिक जनसंख्या है जो वहां की राजनीतिक एवं आर्थिक स्थिति के हिसाब से अपना वर्चस्व स्थापित करती है।

उदाहरण : ~~भारतीय~~ प्रधानमंत्री जैसा पद भारतवंशी के पास (हालिया) होना (ऋषि सुनक)।

⇒ आयरलैण्ड : भारत वंशी तथा भारतीय प्रवासियों की अधिकता है।

⇒ इटली, जर्मनी आदि अनेक देशों में भारतीय प्रवासी वहां की अर्थव्यवस्था में योग देते हैं।

संक्षेप में कहा जा सकता है कि भारतीय प्रवासी जहां रेमिटेंस के माध्यम से भारत में अपनी भागीदारी देते हैं वहीं विकसित देशों में भारत की संस्कृति एवं परम्परा का भी संचार करते हैं।

drishti | दृष्टि The Vision

11. भारत का संविधान एक गतिशील, जीवंत दस्तावेज़ है, जिसे प्रगतिशील समाज के साथ अनुकूलन और विकास के लिये अभिकल्पित किया गया है। जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के संदर्भ में उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये।

(250 शब्द) 15

The Constitution of India is a dynamic, living document, designed to adapt and evolve with a progressive society. Illustrate with reference to right to life and personal liberty.

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत का संविधान देश की आत्मा एवं शरीर को वैश्विक परिदृश्य के साथ अनुकूलन करने के साथ ही साथ एक ऐसे विलक्षण दस्तावेज को अनुकूलित अवस्था उपलब्ध कराता है जो जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकारों का परिरक्षण, संरक्षण तथा मार्गदर्शन करती है।

* भारतीय संविधान गतिशील दस्तावेज:

संविधान की प्रस्तावना: भारत के लोगों से शुरू होकर सम्प्रभुता, समानता, न्याय, बंधुता, धर्मनिरपेक्षता आदि जैसे तत्वों को समाहित करते हुए संविधान की गतिशीलता के दर्शन को प्रमुखता से प्रस्तुत करती है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मौलिक अधिकार:

6 मूल भूत मौलिक अधिकार जहां स्वतंत्रता, समानता, धार्मिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर बल देते हैं वहीं रिट अधिकार के माध्यम से राज्य पर अंकुश लगाते हैं।

तथा अस्पृश्यता जैसे नकारात्मक अभिवृत्तियों को समाप्त कर भारतीय संविधान को जीवन दस्तावेज बनाने हेतु दृष्टि प्रदान करते हैं।

* प्रगतिशील समाज के साथ अनुकूलन और विकास:

संविधान राज्य के नीति निदेशक तत्वों के माध्यम से ध्यान कर केंद्रीकरण रखता है।

⇒ अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की अभिवृद्धि हेतु प्रोत्साहन के रूप में अनुच्छेद 51(A)।

⇒ UCC का गठन करने के लिए अनुच्छेद 44।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार:

⇒ भारतीय संविधान के मौलिक अधिकार के अंतर्गत निम्नलिखित अनुच्छेद आते हैं—

⇒ अनुच्छेद 19: अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

⇒ अनुच्छेद 20: अपराधों के दोषसिद्धि को रोकना तथा विधि का शासन (Rule of Law) की अवधारणा प्रदान करना

⇒ अनु० 21: जीवन के अधिकार का वृहद् कानून

⇒ अनुच्छेद 22: दण्ड एवं नजरबंदी से सुरक्षा

⇒ अनुच्छेद 23: शोषण के विरुद्ध रक्षा आदि।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि भारतीय संविधान एक गतिशील जीवंत दस्तावेज के माध्यम से भारतीय समाज में अनुकूलन की अद्वितीय प्रक्रिया स्थापित करता है।

12. जेंडर न्याय की अवधारणा भारतीय संविधान में अंतर्निहित है। प्रासंगिक संवैधानिक प्रावधानों और निर्णयज विधियों की सहायता से स्पष्ट कीजिये। (250 शब्द) 15

The concept of gender justice is inherently embedded in the Indian Constitution. Explain with the help of relevant constitutional provisions and case laws. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय संविधान न्याय की अवधारणा के रूप में एक वृहद संरचनात्मक स्थिति प्रदान करता है जिसमें समय समय पर विधायिका द्वारा विभिन्न कानूनों के माध्यम से जोड़ा गया है तथा उच्चतम न्यायालय एवं राज्यों के उच्च न्यायालयों द्वारा समय-समय पर अपने न्यायिक निर्णयों द्वारा जेंडर न्याय हेतु अनुकूल दिशा प्रदान की गई है —

* संवैधानिक प्रावधान :

संविधान के भाग-3 के मौलिक अधिकार के विभिन्न अनुच्छेद जेंडर न्याय की अवधारणा की पुष्टि करते हैं —

अनुच्छेद 14 : समानता के रूप में।

अनुच्छेद 15 : जन्म, लिंग, जाति, धर्म के आधार पर भेदभाव का निषेध

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अनुच्छेद 16: आरक्षण प्रदान किया जाना

अनुच्छेद 23: शोषण के विरुद्ध

⇒ 73वां एवं 74वां संविधान संशोधन 1992: महिलाओं को पंचायती राज संस्थाओं एवं नगरपालिका क्षेत्रों में 33% आरक्षण दिया जाना।

⇒ LGBTQIA+ के अधिकारों को संरक्षण किया जाना एवं थर्ड जेंडर के रूप में मान्यता प्रदान करना

⇒ शफीन जहां केस में पसंद की अभिव्यक्ति को प्राथमिकता दिया जाना

⇒ शाह बानो प्रकरण में महिलाओं को भरणपोषण एवं न्याय तथा आरक्षण प्रदान करने हेतु सुप्रीम कोर्ट का निर्णय।

⇒ विशाखा गाइडलाइन्स (POSH) अधिनियम, 2013

⇒ शी-बॉक्स (SheBOX)

⇒ निर्भया फण्ड का गठन

⇒ नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ जेंडर बजटिंग लागू करना

⇒ भारतीय सेना में महिलाओं हेतु कमीशन लागू करना

⇒ महिलाओं को पति की प्रापर्टी नहीं होने देने संबंधी निर्णय (न्यायालय) से बचाव।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि जेंडर न्याय की अवधारणा

अवधारणा भारतीय संविधान में मौजूद होकर समय काल के हिसाब से गतिशील अवस्था में है।

drishti | दृष्टि The Vision

13. भारत में प्रभावी नीतियों को आकार देने और कार्यान्वित करने में नागरिक समाज संगठनों के योगदान का अन्वेषण कीजिये।

(250 शब्द) 15

Explore the contribution of civil society organizations in shaping and executing effective policies in India.

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत में प्रभावी नीतियों को आकार देने एवं उन्हें कार्यान्वित करवाने हेतु दबाव-समूह, जनता के एक शिक्षित वर्ग के रूप में NGO, तथा नागरिक समाज संगठनों की प्रमुख भूमिका होती है। जो समय समय पर अपने विभिन्न कलापों द्वारा नीतियों को लागू करने या वापस करने पर जोर देते हुए प्रभाव डालते हैं।

नागरिक समाज संगठन

- NGO → नान प्रॉफिट आर्गनाईजेशन (बचपन बचाओ, आनन्द वॉर्ड, पर्यावरण बचाओ आदि)
- SHG → स्वयं सहायता समूह (लिज्जत पापड़, आरोही, हितधारी आदि)
- दबाव समूह → (धार्मिक, किसान, विद्यार्थी आदि)
- स्वयंसेवी संस्थान (सोसायटी पंजीयन अधि॰ 1860)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नागरिक समाज संगठन का योगदान :

नागरिक समाज संगठन नीतियों के निर्माण पर निम्नलिखित स्थिति के माध्यम से अपना प्रभाव प्रकट करते हैं :—

⇒ नीतियों की बेहतर जानकारी हासिल करना

⇒ बुनियादी चीजों की ~~कम~~ बारीकी से पड़ताल करना

⇒ नैतिकता आध्यात्मिक दृष्टिकोण

⇒ दबाव समूह के रूप में कार्य करना

⇒ बेहतर क्रियान्वयन हेतु सम्पर्क स्थापित करना

⇒ गरीबों, वंचितों की आवाज के रूप में कार्य करना

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हालांकि कुछ चुनौतियां भी वर्तमान समय में प्रमुख रूप से देखी जा रही हैं —

- → भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति
- → अनैतिक दबाव बनाना
- → स्वयं के फायदे हेतु दबाव
- → भाई-भतीजावाद (Napotism) की प्रवृत्ति
- → काम रोकना, हड़ताल जैसी विपरीत प्रदान करना

इस प्रकार कहा जा सकता है कि नागरिक समाज संगठन प्रभावी नीतियों के कार्यान्वयन हेतु आवश्यक, नाक एवं कान जैसी इन्द्रियां हैं।

drishti | दृष्टि The Vision

14. 'भारतीय न्यायपालिका पुरुष प्रधान है।' इस कथन के आलोक में न्यायपालिका में महिलाओं के प्रतिनिधित्व से संबंधित मुद्दों पर चर्चा कीजिये। साथ ही सुधारात्मक उपाय संबंधी सुझाव भी प्रदान कीजिये। (250 शब्द) 15

'Indian judiciary is a male dominated affair.' In the light of this statement discuss the issues related to the representation of women in judiciary. Also, suggest remedial measures. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2011 की जनगणना के अनुसार भारत का लैंगिक अनुपात 1000 पुरुषों पर 940 महिलाएं हैं। भारतीय संदर्भ में राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक पृष्ठभूमि में जहां पुरुषों का वर्चस्व प्राचीन समय से ही विद्यमान है वहीं न्यायायिक क्षेत्र में भी महिलाओं की स्थिति निम्न है जिसके लिए निम्नलिखित कारक जिम्मेदार हैं:-

⇒ पितृसत्ता का वर्चस्व

⇒ कानूनों की जटिलता के कारण

⇒ कानून की पढ़ाई में पुरुषों की मानसिकता

⇒ घर से दूर कोर्ट एवं कालेज का होना

⇒ लॉ कालेजों की कम संख्या

⇒ नैतिक दृष्टिकोण की निम्न स्थिति।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

न्यायपालिकाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व सम्बंधी मुद्दे —

⇒ अदालतों की औपनिवेशी कार्यप्रणाली

⇒ खस्ताहाल जिला एवं सेशन कोर्ट

⇒ शौचालय एवं साफ सफाई की व्यवस्था

⇒ आपराधिक न्याय प्रणाली की प्राचीन पद्धति

⇒ तकनीक के प्रति उदासीनता

⇒ महिला वकीलों के साथ भेदभाव की स्थिति

⇒ रोल मॉडल के रूप में कमी

⇒ जागरूकता अभाव तथा संरचनात्मक अवसंरचना

* संरचनात्मक सुधार हेतु प्रयास किये जाने चाहिए —

⇒ प्रत्येक तहसील स्तर पर एक लॉ कालेज का निर्माण किया जाना चाहिए।

⇒ प्रादेशिक न्यायाधीश परीक्षा (~~PSC~~ में महिला आरक्षण लागू किया जाना चाहिए।

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

⇒ न्यायालय एवं विभिन्न कोर्ट में महिलाओं हेतु अलग शौचालय एवं सैनीटेशन की व्यवस्था की जानी चाहिए।

⇒ लैंगिक भेदभाव एवं रूढ़िवादिता को समाप्त किया जाना चाहिए।

⇒ जागरूकता एवं दृष्टिकोण में परिवर्तन किया जाना चाहिए।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि न्याय के मंदिर में न्याय की देवी की मूर्ति के अलावा साक्षात् न्याय की देवी को प्रतिनिधित्व देकर भारतीय न्याय पालिका के पुरुष प्रधान होने के 'टैग' को समाप्त करने की आवश्यकता है।

drishti | दृष्टि The Vision

15. भारतीय संविधान एकात्मकता का भाव रखता है यद्यपि इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि संविधान निर्माताओं ने राज्यों की सुदृढ़ता एवं स्वतंत्रता से समझौता किया है। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

Indian Constitution comes with a unitary bias. However, that does not mean that the Constitution makers took anything away from strong and independent states. Comment. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 1 में भारत को राज्यों के एक संघ के रूप में परिभाषित गया है जो कि सभी राज्यों के एकीकरण को आत्मसात करने हेतु भारतीय संविधान के नीति-निर्माताओं की प्राथमिकता का बोध कराता है।

भारतीय संविधान में राज्यों की स्थिति विनाशी राज्यों के एक अविनाशी संघ के रूप में शामिल होती है जिसका यह तात्पर्य नहीं है कि केंद्र की दया दृष्टि से राज्य की सत्ता चलती है।

- राज्यों की सत्ता की सुदृढ़ता की स्थिति:

भारतीय संविधान में सातवीं अनुसूची के माध्यम से कार्यों का विभाजन किया गया है।

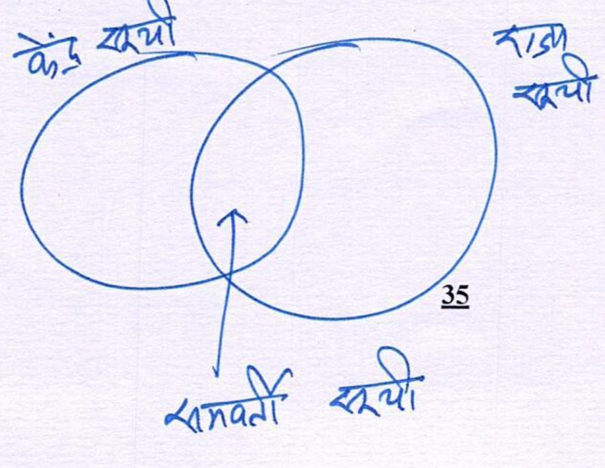

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

⇒ केंद्र राज्य सम्बंधों की कार्यकारी एवं विधायी भिन्नता को प्रदर्शित किया गया है।

संघीकरण में बाधा एवं केंद्र सरकार की मनमानी :-

⇒ भारतीय संविधान के अनुच्छेद 356 का मनमाना उपयोग।

⇒ आंतरिक आपातकाल के माध्यम से राज्यों की स्थिति

⇒ राज्यपाल कार्यान्वयन

⇒ अंतर्राज्यीय नदीय परियोजना में केंद्र की मनमानी

⇒ GST एवं कर आवंटन।

⇒ विभिन्न योजनाओं में राज्यों की भिन्न भागीदारी

⇒ कर आवंटन एवं सेस में राज्यों को कोई हिस्सा नहीं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ राज्यों की अनुमति के बिना राज्यों को एक राज्य से कई राज्यों में विभाजित किया जा सकता है।

⇒ राज्यपाल की नियुक्ति केंद्र सरकार की पूर्ण अधिकार

⇒ अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों की नियुक्ति, निलंबन आदि में केंद्र की प्रमुख भूमिका।

उपर्युक्त के क्रम में कहा जा सकता है कि भारतीय राजनीतिक स्थिति में केंद्र सरकार की प्रवृत्ति राज्यों के संदर्भ में वर्चस्वशाली दृष्टिकोण प्रदान करती है, जिसके लिए समानुपातिक संबंधों पर जोर देने की आवश्यकता है।

drishti | दृष्टि The Vision

16. राज्यसभा की उपेक्षा करने के लिये कुछ विधेयकों को धन विधेयक के रूप में वर्गीकृत करना संवैधानिक चिंताएँ उत्पन्न करता है। इस संवैधानिक चिंता के समाधान से संबंधित उपायों के सुझाव प्रदान कीजिये। (250 शब्द) 15

Categorization of certain bills as Money Bills to bypass Rajya Sabha raises constitutional concerns. Suggest ways to tackle this constitutional concern. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय संसद के रूप में लोकसभा, राज्यसभा एवं राष्ट्रपति को शामिल किया जाता है। राज्य सभा जहां उच्च सदन के रूप में कभी भी समाप्त नहीं होती वहीं लोकसभा का गठन चुनाव के माध्यम से पांच वर्षों हेतु किया जाता है।

यूं तो लोकसभा और राज्य सभा की स्थिति साधारण विधेयक के मामले में समान है परन्तु लोकसभा को धन विधेयक के मामले में विशेष स्थिति प्रदान की गई है।

⇒ कोई विधेयक धन विधेयक नहीं है यह केवल लोकसभा के अध्यक्ष करते हैं।

⇒ संविधान के अनुच्छेद 110 के अनुसार धन विधेयक को परिभाषित किया जाता है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

धन विधेयक के सम्बंध में राज्य सभा की भूमिका:

लोक सभा यदि किसी विधेयक को धन विधेयक घोषित करती है तो राज्यसभा उस विधेयक को केवल 14 दिन तक ही रोक सकती है, और यदि विधेयक पर वह कोई संशोधन करती है तो लोकसभा के ऊपर है कि वह उस संशोधन को मानती है या नहीं। विधेयक को लौटाने या अपने हिसाब से कमी - ज्यादती करने का कोई भी अधिकार राज्यसभा के पास नहीं होता है।

* संवैधानिक चिंता समाधान हेतु उपाय:

⇒ आधार विधेयक को धन विधेयक के रूप में पारित किया जाना अनैतिक निर्णय था ऐसा हो इसलिए इसपर ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है।

⇒ एक स्वतंत्र कमेटी का गठन किया जाना चाहिए जिसमें लोक सभा एवं राज्य सभा दोनों सदनों के सदस्य हों।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ लोकसभा अध्यक्ष के साथ ही विपक्ष के नेता तथा राज्यसभा के सभापति को शामिल करके बहुमत के आधार पर फैसला करना।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि राज्यसभा के साथ ही लोकसभा को भी धन विधेयक संबंधी समन्वय में योगदान देने हेतु राज्य सभा की भागीदारिता होनी चाहिए।

drishti | दृष्टि The Vision

17. 'भारतीय संविधान अंशतः पश्चिमी देशों के संविधान से गृहित दस्तावेज़ है।' समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

'Indian Constitution is a bag of borrowings.' Critically analyse. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विश्व के सबसे लम्बे संविधान एवं लिखित संविधान के रूप में भारतीय संविधान में अनेक देशों के संवैधानिक प्रावधानों का अंश शामिल किया गया है। कुछ प्रमुख संवैधानिक प्रावधान जो अन्य देशों से ग्रहण किये गये हैं निम्न लिखित हैं:-

* मौलिक अधिकार:

⇒ मौलिक अधिकार की अवधारणा को संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से लिया गया है।

⇒ न्यायिक स्वतंत्रता की अवधारणा भी अमेरिकी संविधान से ही ली गई है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ब्रिटिश संविधान :

ब्रिटेन का औपनिवेशक होने के कारण अधिकांश कानून ब्रिटेन से ही लिया गया है—

⇒ भारत सरकार अधिनियम, 1935 के कुछ अंश

⇒ भारत सरकार अधिनियम, 1947 के कुछ अंश

⇒ संसदीय प्रक्रिया

⇒ कानून का शासन

⇒ रिट अधिकार की प्रक्रिया

USSR (रूस)

⇒ मौलिक कर्तव्य

कनाडा

राज्यपाल की नियुक्ति की प्रक्रिया

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आयरलैंड :

⇒ राज्य के नीति - निदेशक तत्व

⇒ सामाजिक आर्थिक न्याय

⇒ फ्रांस

स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व की अवधारणा

संविधान सभा में डा० भीम राव अम्बेडकर ने आलोचना करने पर कहा था कि भारतीय संविधान को एक जीवंत दस्तावेज बनाने के लिए अनेक देशों से अच्छी चीजों को लेने पर आपत्ति नहीं होनी चाहिए। यह संविधान को लम्बे समय तक लचीलापन प्रदान करेगा। जो कि भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में मील का पत्थर साबित होगा।

drishti | दृष्टि The Vision

18. प्रौद्योगिकी के संबंध में जागरूकता का अभाव या अपर्याप्त ज्ञान समाज में डिजिटल विभाजन का कारण बनता है। स्पष्ट कीजिये कि यह भारत के शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र को कैसे प्रभावित करता है। (250 शब्द) 15

Lack of technological awareness or knowledge leads to a digital divide in society. Explain how it adversely effects the education and health sector of India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अपर्याप्त एवं अव्यावहारिक ज्ञान हमेशा ही खतरनाक स्थिति का द्योतक होता है। प्रौद्योगिकी को यदि सावधानी से न चलायी जाए तो यह फायदे के बजाय नुकसान पहुंचा सकती है।

डिजिटल विभाजन एवं शिक्षा तथा स्वास्थ्य में निम्न रूप में नकारात्मक प्रभाव :-

⇒ जागरूकता अभाव

⇒ शिक्षा में गिरावट

⇒ लैंगिक समस्या

⇒ फेक न्यूज की स्थिति

⇒ चाइल्ड एब्यूज (child Abuse)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शिक्षा पर प्रभाव:

⇒ शिक्षा नैतिकता

⇒ इंटरनेट की कमी

⇒ मोबाइल कनेक्शन अभाव

⇒ बेहतर अवसंरचना ढांचा

⇒ ड्रॉप आउट दर

⇒ पितृसत्ता

⇒ लैंगिक विभाजन

स्वास्थ्य क्षेत्र पर प्रभाव:

⇒ स्वच्छता मानक

⇒ दवाइयां एवं वितरण

⇒ एंटी-माइक्रोबियल रेसिस्टेंस (AMR)

⇒ एंटीबायोटिक्स प्रयोग

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ लैंगिक समस्या

⇒ परिवार नियोजन अनुक्रिया

⇒ गर्भ निरोधक को गर्भपात के रूप में उपयोग

⇒ स्वच्छता मानक में गिरावट

⇒ लक्षित दवा वितरण में बाधा

⇒ चिकित्सा नैतिकता प्रतिमान

उपरोक्त के आधार पर कहा जा सकता है कि बिना तकनीकी जानकारी के डिजिटल विभाजन के साथ ही साथ अनैतिक प्रतिमान स्थापित होने का खतरा होता है।

19. नाटो का विस्तार एवं अमेरिकी–यूरोपीय सामरिक सहयोग का सुदृढ़ीकरण भारत के हितों को संपुष्ट करता है। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

India's interests are well-served by NATO's growth and the stronger U.S.-Europe strategic cooperation. Comment. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नाटो एक रक्षा आधारित संगठन के रूप में संयुक्त राज्य अमेरिका संगठन की आधारभूत सामरिक आवश्यकता को संवर्धित करता है।

जहां पर किसी एक सदस्यों पर हमला सभी पर हमले के रूप में अवलोकन संगठन का दृष्टिकोण प्रदान करता है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

20. पर्यावरण संरक्षण एवं समुद्री सुरक्षा संवर्द्धन में IMO (अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन) की भूमिका को कम करके नहीं आंका जा सकता। चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Role of IMO (International Maritime Organisation) in protecting environment and enhancing maritime safety and security cannot be overstated. Discuss. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण के कारण वैश्विक स्थिति में गिरावट देखी जा रही है जिसके संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन की ~~स्थिति~~ स्थिति एवं भूमिका को कम करके नहीं आंका जा सकता है।

IMO की भूमिका :

⇒ नौका एवं जहाज संचालन में भूमिका

⇒ व्यापार एवं आयातों संचालन

⇒ आर्थिक एवं राजनीतिक स्थायित्व

⇒ वैश्वीकरण मानव स्थायित्व

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

⇒ समुद्री डकैती एवं पायरेसी रोकना

⇒ बेहतर नियामक कानून
SOLAS आदि का गठन करना

भारत के संदर्भ में IMO भूमिका:

⇒ 'हिंद' प्रशांत क्षेत्र में गतिविधियों की समायोजकता

⇒ साझा कार्यक्रम

⇒ बेहतर समुद्री सुरक्षा

⇒ नियामक स्थापित करना

⇒ प्रमुखता का सम्मान

⇒ चीन के प्रति संतुलित करना।

अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन विभिन्न दृष्टिकोण के माध्यम से बेहतर अभिक्रिया प्रदान करता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

drishti | दृष्टि The Vision

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)